2025–26

विद्यालय पत्रिका

केन्द्रीय विद्यालय, अल्हीलाल

Roots of Knowledge, Wings of Dreams

तत् त्वं पूषन् अपावृणु

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

KENDRIYA VIDYALAYA ALHILAL

सत्र 2025–26

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन



विद्यालय पत्रिका

SCHOOL MAGAZINE

2025-26



सरस्वती वंदना

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला
या शुभ्रवस्त्रावृता
या वीणावरदण्डमण्डितकरा
या श्वेतपद्मासना।
या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवैः
सदा वन्दिता
सा मां पातु सरस्वती भगवती
निःशेषजाड्यापहा॥1॥

“शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयोग आप दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं।” – नेल्सन मंडेला

विद्यालय का ध्येय वाक्यः तत्त्वं पूषन् अपावृणु





SH. VARUN MITRA
DEPUTY COMMSSIONER

FROM THE DEPUTY COMMISSIONER'S DESK

I am pleased to note that Kendriya Vidyalaya, Alhilal (H.P.) is bringing out its *Vidyalaya Patrika* for the academic session 2024–25.

The *Vidyalaya Patrika* serves as an open platform for students to nurture their multifaceted talents and present them before parents, teachers, and well-wishers, who can read, appreciate, and applaud their efforts. Such recognition goes a long way in instilling confidence in students to express themselves freely and fearlessly. Moreover, it will act as a source of inspiration for other students to emulate and strive for excellence.

I convey my best wishes to the Principal, staff, and students, and I sincerely appreciate their dedicated efforts in bringing out the *Vidyalaya Patrika* successfully.

SH. VARUN MITRA
DEPUTY COMMISSIONER

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि केंद्रीय विद्यालय, अल्हीलाल (हि.प्र.) शैक्षणिक सत्र 2024–25 के लिए अपनी विद्यालय पत्रिका प्रकाशित कर रहा है।

विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों के लिए एक ऐसा मंच है जहाँ वे अपनी बहुआयामी प्रतिभाओं को सँवार सकते हैं और उन्हें अभिभावकों, शिक्षकों एवं शुभचिंतकों के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। पाठकों द्वारा इन रचनाओं की सराहना विद्यार्थियों में आत्मविश्वास उत्पन्न करती है और उन्हें निर्भीक होकर अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करती है। साथ ही, यह पत्रिका अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी, जिससे वे भी उत्कृष्टता की दिशा में प्रयासरत रहेंगे।

मैं विद्यालय के प्रधानाचार्य, समस्त स्टाफ तथा विद्यार्थियों को इस सराहनीय प्रयास के लिए अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ तथा उनके समर्पित प्रयासों की हार्दिक प्रशंसा करता हूँ, जिनके सहयोग से यह विद्यालय पत्रिका सफलतापूर्वक प्रकाशित हो रही है।

श्री वरुण मित्र (उप आयुक्त)



प्राचार्य की कलम से

श्री दि श कुमार
प्राचा
केंद्री विद्यालय, अल्हीलाल

यह मेरे लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि केंद्रीय विद्यालय, अल्हीलाल, सत्र 2024–25 की विद्यालय पत्रिका प्रकाशित कर रहा है।
विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन विद्यार्थियों की **सृजनात्मक** एवं **मौलिक लेखन क्षमता** को अभिव्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम है।
शिक्षा का मूल उद्देश्य समाज में ऐसी सुंदर व्यवस्था का निर्माण करना है, जिसमें प्रत्येक प्राणी अबाध रूप से, सम्मानपूर्वक जीवन जी सके।
विद्यालय पत्रिका का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को **सृजन और अभिव्यक्ति** के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करना है, जहाँ वे अपनी प्रतिभा को निखार सकें और **आत्मविश्वास** के साथ प्रस्तुत कर सकें।
मैं विद्यालय पत्रिका की प्रकाशन प्रक्रिया से जुड़े सभी अधिकारीगण, सहकर्मी साथी, अभिभावकगण, नवोदित रचनाकारों तथा **संपादन मंडल** के सभी सदस्यगण के प्रति हार्दिक कृतज्ञता एवं साधुवाद ज्ञापित करता हूँ, जिनके सहयोग एवं प्रयास के बिना यह प्रकाशन संभव नहीं था।
रचनात्मकता का यह बीजांकुर निरंतर पल्लवित होकर फलदायी हो — इसी शुभेच्छा के साथ।

From the Principal's Desk

It gives me immense pleasure to share that Kendriya Vidyalaya, Alhilal is bringing out its school magazine for the academic session 2024–25.
The publication of the school magazine is a powerful medium to express the students' creative and original writing abilities.
The core aim of education is to build a society where every being can live freely and with dignity.
The primary objective of the school magazine is to provide students with a strong platform for creativity and expression, where they can refine their talents and present them with confidence.
I extend my heartfelt gratitude and appreciation to all the officials, my fellow staff members, parents, budding writers, and all members of the editorial board, whose dedicated efforts have made this publication possible.
May this seed of creativity continue to grow, flourish, and bear fruit — with these best wishes,
Shri Dinesh Kumar
Principal
Kendriya Vidyalaya, Alhilal



श्रीमती नीतू शर्मा
स्नातकोत्तर शिक्षिका
(हिंदी)

संपादकीय

"सफल व्यक्ति बनने का ही प्रयास मत करो, बल्कि मूल्यवान व्यक्ति बनने का प्रयास करो।"

— अल्बर्ट आइंस्टीन

समय के साथ मानव ने जीवन के विविध क्षेत्रों में अपनी क्षमता का निरंतर विस्तार किया है। अपनी नवीन सोच और रचनात्मकता के बल पर उसने जीवन के अनेक रहस्यों को समझने में सफलता पाई है। यही भावना आज के विद्यार्थियों में स्पष्ट दिखाई देती है, जो विभिन्न माध्यमों से अपने विचारों और प्रतिभा को अभिव्यक्त करने में सक्षम हैं।

विद्यालय पत्रिका का यह अंक विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के नए विचारों, सृजनात्मकता और सतत प्रयासों का गौरवपूर्ण परिणाम है। यह न केवल विद्यार्थियों की गतिविधियों का दर्पण है, बल्कि हमारे विद्यालय की उपलब्धियों और घटनाओं का जीवंत अभिलेख भी है। हमें पूर्ण विश्वास है कि यह अंक पाठकों को आनंद के साथ-साथ प्रेरणा भी प्रदान करेगा।

हम अपने आदरणीय प्राचार्य महोदय के प्रति हृदय से कृतज्ञ हैं, जिनकी प्रेरणा और मार्गदर्शन के बिना यह पत्रिका संभव न होती। साथ ही, मैं अपनी संपादकीय टीम के प्रति उनके सतत सहयोग और समर्पण के लिए आभार प्रकट करती हूँ।

आप सभी को सुखद पठन अनुभव की शुभकामनाएं!

संपादक मण्डल

मुख्य संरक्षक	श्री दिनेश कुमार (प्राचार्य)
हिन्दी अनुभाग	श्रीमती नीतू शर्मा
अंग्रेज़ी अनुभाग	श्रीमती अनीता
संस्कृत अनुभाग	श्री विवेक कुमार
आवरण सज्जा	सुश्री पूजा रानी, सुश्री दीपा

तत् त्वं पूषन् अपावृणु

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

विषयसूची/contents

स.क्र	वर्ग	category	पृष्ठ क्र
1	हिंदी खंड	Hindi section	
2	संस्कृत खंड	Sanskrit section	
3	अंग्रेजी खंड	English section	
4	कला दीर्घा	Art Gallery	

पत्रिका में क्या है

प्रधानाचार्य की कलम से
मार्गदर्शक शब्द, प्रेरणा की ओर एक कदम।

विशिष्ट अतिथियों के संदेश
सम्माननीय व्यक्तित्वों से शुभकामनाएँ और प्रेरणा।

हमारे विद्यालय के बारे में
KV अल्हीलाल *की गौरवशाली यात्रा और उपलब्धियाँ।*

शैक्षणिक झलकियाँ
अध्ययन और नवाचार में विद्यार्थियों की उत्कृष्टता।

सहपाठ्यक्रम उपलब्धियाँ–
खेल, कला, और संस्कृति में शानदार प्रदर्शन।

रचनात्मक कोना
कहानियाँ, कविताएँ, और निबंध – बच्चों की कल्पनाओं से सजी।

कला दीर्घा
रंगों और रेखाओं में छिपी भावनाओं की अभिव्यक्ति।

विशेष झलकियाँ
भ्रमण, सेवाकार्य और अन्य विशेष आयोजनों की रिपोर्ट।

पूर्व छात्रों की बातें
पुराने दिनों की यादें और जीवन के अनमोल सबक।

स्मृतियों के चित्र
वर्ष के अविस्मरणीय क्षणों की सुंदर झलकियाँ।

केंद्रीय विद्यालय,अल्हीलाल

स्थापना:केंद्रीय विद्यालय, अल्हीलाल की स्थापना 02 जून 1992 को रक्षा कर्मियों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। प्रारंभ में विद्यालय केवल प्राथमिक कक्षाओं के लिए संचालित था, लेकिन समय के साथ क्रमिक रूप से उच्च कक्षाओं तक इसका विस्तार किया गया। वर्ष 2013 में विज्ञान संकाय के साथ कक्षा 11 की शुरुआत हुई। वर्तमान में विद्यालय कक्षा 12 तक की शिक्षा प्रदान करता है।

स्थान:यह विद्यालय हिमाचल प्रदेश के एक सुंदर एवं शांत वातावरण वाले स्थान पर स्थित है। निकटतम रेलवे स्टेशन *पपरोला*है तथा विद्यालय राष्ट्रीय राजमार्ग 154 के निकट स्थित है।



- पठानकोट से दूरी: लगभग 115 किलोमीटर
- पालमपुर से दूरी: लगभग 10 किलोमीटर
- कांगड़ा से दूरी: लगभग 45 किलोमीटर
- निकटतम हवाई अड्डा: *गग्गल* (लगभग 55 किलोमीटर)

दृष्टि : विद्यालय का उद्देश्य विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में स्वयं को एक विश्वस्तरीय संस्था के रूप में स्थापित करना है। यह शिक्षकों को निरंतर सशक्त बनाकर विद्यार्थियों में आंतरिक एवं बाहरी सामंजस्य स्थापित करने तथा उन्हें भविष्य की सामाजिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के योग्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

महत्वपूर्ण विवरण:

- स्थापना तिथि: 02 जून 1992

- क्षेत्र:रक्षा
- जिला:कांगड़ा
- राज्य:हिमाचल प्रदेश
- उच्चतम कक्षा:बारहवीं
- प्रत्येक कक्षा में अनुभाग:एक (कक्षा 1 से 12 तक)
- संसदीय निर्वाचन क्षेत्र:कांगड़ा



Contact Information

Address: Alhilal Cantt, Post- Taragarh, Tehsil - Baijnath, Kangra, Himachal Pradesh 176081, India
Phone: (01894) 242650
Email: kvalhilal@gmail.com
Website: http://alhilal.kvs.nic.in

Affiliation

Board: CBSE - Central Board of Secondary Education

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम विश्लेषण 2024-25

कक्षा X अव्वलविद्यार्थी 2024–25:

अंक	नाम	प्रतिशत	कक्षा
1	सान्वी राणा	87.2	दसवीं
2	नम्रता शर्मा	86.8	दसवीं
3	महक ठाकुर	86.2	दसवीं

कक्षा XII अव्वलविद्यार्थी 2024–25:

अंक	नाम	प्रतिशत	कक्षा
1	वंशुल कुमार	90.8	बारहवीं
2	शालू	90.4	बारहवीं
3	महाफुजा यासमिन	88	बारहवीं

मेहनती और समर्पित कर्मचारी

"एक शिक्षक ज्ञान के बीज बोता है जो सदैव फलतेफूलते रहते हैं।-"

विद्यालय कर्मचारियों की सूची / STAFF LIST 2025-26

अनु . क्र.	कर्मचारियों के नाम	पदनाम
1	श्री दिनेश कुमार	प्राचार्य
2	श्री प्रीति सिंह	पीजीटी फिजिक्स
3	श्री अजमेर सिंह	पीजीटी कम्प्यूटर साइंस
4	श्री नीरज शर्मा	पीजीटी गणित
5	श्री सुरेश कुमार	पीजीटी रसायन विज्ञान
6	श्रीमती स्वाति	पीजीटी जीव विज्ञान
7	श्रीमती नीतू शर्मा	पीजीटी हिंदी
8	श्री भिन्दर कुमार	टीजीटी गणित
9	श्री विवेक कुमार	टीजीटी संस्कृत
10	श्रीमती अनीता कुमारी	टीजीटी अंग्रेज़ी
11	श्रीमती किरण ठाकुर	टीजीटी सामाजिक अध्ययन
12	श्रीमती पूजा रानी	टीजीटी कला
13	श्री राज कुमार	टीजीटी वर्क एजुकेशन
14	श्रीमती कीर्ति सक्सेना	पुस्तकालयाध्यक्ष
15	श्री संदीप कटोच	टीजीटी फिजिकल एजुकेशन एवं स्वास्थ्य
16	श्रीमती ज्योति	पीआरटी
17	श्रीमती कुसुम लता	पीआरटी संगीत
18	श्रीमती अलका रानी	पीआरटी
19	श्रीमती ज्योति महंत	पीआरटी
20	श्रीमती किरण बाला	पीआरटी
21	श्रीमती पूजा	पीआरटी
22	श्रीमती ज्योति कुमारी	पीआरटी
23	श्री विनोद कुमार	सहायक कर्मचारी
24	श्री हंस राज	सहायक कर्मचारी
25	श्री रणवीर सिंह	योग शिक्षक
26	सुश्री दीपा	कंप्यूटर प्रशिक्षक
27	श्रीमती नेहा कुमारी	स्टाफ नर्स
28	सुश्री कंचन	विशेष शिक्षक

हर सफलता की कहानी के पीछे **KV** अल्हीलाल के समर्पित, भावनापूर्ण और सहृदय शिक्षकों की एक टीम खड़ी होती है।

अपने ज्ञान से छात्रों का मार्गदर्शन करने वाले ये शिक्षक, दिल में दया और मस्तिष्क में विवेक लेकर हर विद्यार्थी को नई ऊंचाइयों तक पहुँचने के लिए प्रेरित करते हैं।

कक्षा के अंदर और बाहर, इनकी निष्ठा ही हमारे विद्यालय को सिर्फ एक अध्ययन स्थल नहीं, बल्कि एक विकास स्थल बनाती है

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन





हिंदी





सृजनात्मक लेखन – हिंदी

"शब्दों में सपनों की उड़ान."

इस खंड में हमारे विद्यार्थियों की कल्पनाशक्ति और भावनाओं का सुंदर संगम देखने को मिलेगा।
कहानियाँ, कविताएँ, और आलेख–हर रचना में उनकी मौलिकता और संवेदनशीलता की झलक है।

हम हैं इसके मालिक हिंदुस्तान हमारा

पाक वतन नहीं क़ौम का जन्नत से भी प्यारा है
हमारी मिल्कियत हिंदुस्तान हमारा

इसकी रुहानियत से रोशन है जग सारा
कितना कदीम कितना नईम, सब दुनिया से न्यारा
करती है जेरेवेज़, जिसे गंगो - जमुन की धारा
ऊपर बर्फीला पर्वत पहरेदार हमारा
नीचे साहिल पर बजता, सागर का नक्कार
इसकी खानें उगल रही सोना, हीरा पारा।

इसकी शान-शौकत का दुनिया में जयकारा
आया फिरंगी दूर से ऐसा मं तरमारा

काम आज का आज करें
राजा जैसे राज करें।

नहीं करेंगे अब आराम
रोशन होगा अपना नाम।

बैठ भरोसे औरों के
कभी नहीं होते, पूरे काम।

लू य दोनों हाथ से प्यार वतन हमारा
आज शहीदोंने तुझको अहले वतन ललकारा

तोड़ गुलामी की जंजीरें बरसाओ अंगारा
हिंदू मुसलमान सिख हमारा भाई-भाई प्यारा
यह है आज़ादी का झंडा, इसे सलाम हमारा।
आओ मिलकर गाएँ

पहले त्यागें हम आराम
तब ही होंगे पूरे काम।

स्वयं करें गे श्रम तब हो
होंगे सफल हमारे काम।

कल-कल-कल-कल करना क्या
मेहनत से भी डरना क्या

फल से फूल कहता है,



काँटों से जुदा होकर,
फूल है उदास।

उसको डराती है एक बात,
जाने किस मार्ग पर उसे फेंका जाएगा।
अर्थी पर, मंदिर में या हार में गूँथा जाएगा,
या तोड़-तोड़ उसके अस्तित्व को दूल्हे के ऊपर डाला जाएगा।

फूल फूल से कहता है,
काँटों से नहीं, मानव से डरता हूँ।
काँटों के साथ हँसता हूँ, खिलता हूँ,
मानव के हाथों पल-पल मरता हूँ।

पेड़

पेड़ लगाओ, पेड़ लगाओ,
इन्हें न तुम काटो भाई।
पेड़ हमें देता है चीजें,
खाने को फल मीठे।
पेड़ हमारा जीवन है,
पेड़ हरियाली फैलाता है।
हम तो दो पल में मर जाएँ।
पेड़ हरियाली फैलाता है।
इधर देखो, उधर देखो,
जहाँ देखो सब पेड़ काटते।
हम पेड़ के बिना न जियें,
हम तो दो पल में मर जाएँ।



बेफिक्र से फिक्र का सफर

रोने से छुपाने का सफर
उत्सुकता से संयम का सफर
पहले जो आँचल में छुप जाया करता थी।
आज किसी को आँचल में छुपा लेती है।
पहले जो उंगली पे गरम लगने से
घर को उठाया करती थी।
आज हाथ जल जाने पर भी
खाना बनाती है।

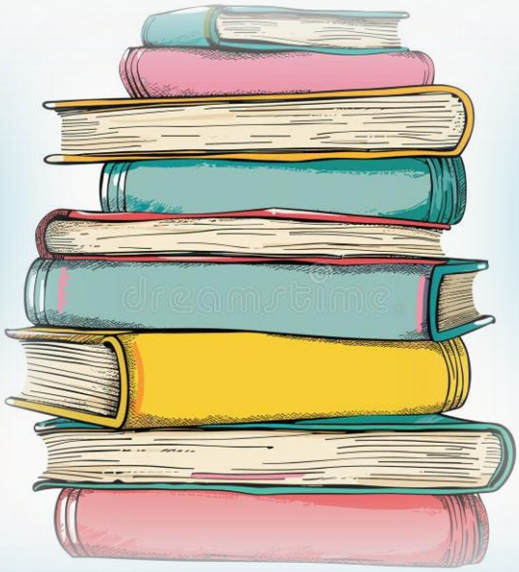
छोटीछोटी बातों पर रोया करती थी।-
बड़ीबड़ी बातों को मन में रखती है।-
पहले दोस्तों से लड़ लिया करती थी।
आज उनसे बात करने को तरस जाती है।
माँ कहकर पूरे घर में उछलाया करती थी।
माँ सुनकर धीरे से मुस्कुराया करती है।
10 बजे उठने पर भी जल्दी उठ जाना होता था।
आज 7 बजे उठने पर भी लेट हो जाती है।
साल के एकएक एग्जाम के लिए-
पूरे साल पढ़ाया करते थे।
अब हर दिन बिना तैयारी के
एग्जाम दिया करती है।
न जाने कब किसी बेटी की माँ बन गयी।
कब बेटी से माँ के सफर में तब्दील हो गयी।





तीन अनमोल रत्न

शिक्षा :



इंसान को इंसानियत सिखाती है।
जिंदगी में प्यार जगाती है।
जीवन जीना सिखाती है।
जीवन को सुंदर बनाती है।
शिक्षा वह राह है,
जो भाग्य के द्वार खोलती है।

शिक्षक :

भविष्य को सँवारते हैं।
आत्म-विश्वास को शिखर तक पहुँचाते हैं।
जीवन को सुंदरता का सौंदर्यपूर्ण बोध कराते हैं।
सत्कर्म के लिए प्रेरित करते हैं।
विचारों को वाणी बनाते हैं।
जीवन सहनशील बनाते हैं।

शिक्षक उस मोमबत्ती के समान हैं,
जो स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देती है।

मित्रता :



प्रेम को गीत देती है।
सहयोग भावना को बलवती बनाती है।
जीवन में उत्साह का संचार करती है।
जीवन को संघर्षशील बनाती है।
मित्रता का गुण सभी गुणों में श्रेष्ठ है।

हाँ, मेरी माँ है वो



अंधेरे में रोशनी ले आती है वो,
जिंदगी का सही मतलब बताती है वो।
उसके बिना तो मैं शायद कुछ भी नहीं,
हर जीत के पीछे मेरी काबिलियत है वो।

हर मुश्किल में वो याद आती है,
फिर मेरी हर मुश्किल से मुझे बाहर लाती है।
हमेशा सही रास्ते पर चलना सिखाती है,
कभी-कभी डाँटकर भी प्यार।

उसके बारे में अगर कहने जाऊँ, तो शायद शब्द कम पड़ जाएँ,
खुद से पहले हमेशा उसका ख्याल आए।
इतनी मासूम और अद्भुत है वो,
ज़िंदगी के हर मोड़ पर मेरे साथ है वो।

मेरे लक्ष्य तक पहुँचने का ज़रिया है वो,
कुछ न कर पाई तो इस सवेरे की आस है वो।
कभी रूठ भी जाती है, पर फिर मान जाती है वो,
आखिर है तो मेरी माँ ही वो।

हाँ, मेरी माँ है वो,
हाँ, मेरी माँ है वो।

समय बड़ी अनमोल चीज़ है।



जिसने इसको पहचाना,
वहही अंकित है कर पाया
जीवन का ताना-बाना।

समय एक सांस सबके हित में
ठहर-ठकर चलता रहता,
जी भर तुम उपयोग करो

है नित्य-नित्य कहता रहता।

सम्मान समय की सीख गया जो,
मान स्वयं मिल तो उसको,
वही श्रेष्ठ, जो कुछ कर पाया,
नहीं, पूछता जग किसको?
उसी समय में एक श्रेष्ठ बनें,
युग को राह दिखा जाता,
किन्तु उसी में एक मलिन कर

जग को कर धुंधला जाता।

समय, बंधु सच, गंगा जल है
या समीर सौरभ वाली,
जिसने चखी, उसी ने जानी
महिमा बस गौरवशाली।

समय लहर नदियों की चंचलता गई,
हाथ से छूट गई,
किन्तु सहेजा जिसने इसे
फल दे, बन माँ रही सही।

गर तुमको इतिहास बनाना
बंधु समय का मान करो,
अपने यश से भारत माँ का
जग में नव उत्थान करो।

सफलता की कहानी



ना मिले सफलता तो कभी उदास न होना,
टूट जाएँ सपने तो कभी निराश न होना।
मिलेगी सफलता एक दिन सच्ची लगन व मेहनत से,
बस अपने ऊपर से विश्वास न खोना।

हौंसले अगर तेरे डगमगाने लगे तो,

हौसलों को तू अपने बुलंद रखना।
छुपा है जो हुनर तेरे अंदर, एक दिन वो जाग जाएगा,
उस दिन तू भी सितारों की तरह चमक जाएगा।

कभी जब होने लगे मन तेरा उदास,
तो "ग़रीमा" को तू अपनी याद रखना।
आशाओं को अपनी हमेशा जगा कर रखना।
होने लगे जब मन तेरा विचलित,
तो किताबों को अपने सीने से लगाकर रखना।

सुविचार

☺ अगर आप मन लगाकर और पूरे प्रयास से काम करेंगे, तो सफलता ज़रूर मिलेगी।
☺मुश्किल समय में भी अपने लक्ष्य को मत छोड़िए, उसे पाने की कोशिश करते रहिए।
☺सिर्फ़ समय पर काम पूरा करना ही नहीं, कोशिश करें कि समय से पहले पूरा हो जाए।
☺किताबें पढ़ने से सोचने की आदत बनती है और मन को खुशी मिलती है।
☺अगर इंसान बुरे काम करने लगे, तो यह उसकी हार होती है।
अगर वो बहुत अच्छे काम करे, तो यह उसका चमत्कार होता है।
लेकिन अगर वो एक अच्छा इंसान बन जाए, तो यह उसकी सबसे बड़ी जीत होती है।
☺जैसे इंसान एक दिन मर जाता है, वैसे ही विचार भी खत्म हो सकते हैं।
इन्हें फैलाना ज़रूरी है, जैसे पौधों को ज़िंदा रखने के लिए पानी देना होता है।
अगर न फैलाएँ, तो अच्छे विचार भी धीरेधीरे खत्म हो जाते हैं।-

सफलता की कहानी

नामिले सफलता तो कभी उदास न होना,
टूट जाएँ सपने तो कभी निराश न होना।
मिलेगी सफलता एक दिन सच्ची लगन व मेहनत से,
बस अपने ऊपर से विश्वास न खोना।
हौंसले अगर तेरे डगमगाने लगे तो,
हौसलों को तू अपने बुलंद रखना।
छुपा है जो हुनर तेरे अंदर, एक दिन वो जाग जाएगा,
उस दिन तू भी सितारों की तरह चमक जाएगा।
कभी जब होने लगे मन तेरा उदास,
तो गरीमा को तू अपनी याद रखना।
आशाओं को अपनी हमेशा जगाए रखना।
होने लगे जब मन तेरा विचलित,
तो किताबों को अपने सीने से लगाकर रखना।

सुविचार)Motivational Thoughts)

- यदि आप दृढ़ संकल्प और पूर्ण ताकत के साथ काम करेंगे, तो सफलता ज़रूर मिलेगी।
- कठिन समय में भी अपने लक्ष्य को मत छोड़िए और विपत्ति को अवसर में बदलिए।
- समय सीमा पर काम खत्म कर लेना काफी नहीं होता,
  हमें समय सीमा से पहले काम खत्म करने को अपेक्षा करनी चाहिए।
- किताब पढ़ना हमें एकांत में विचार करने की आदत और सच्ची खुशी देता है।
- यदि मानव दानव बन जाता है, तो यह उसकी हार है।
  यदि मानव महामानव बन जाता है, तो यह उसका चमत्कार है।
  यदि मनुष्य बन जाता है, तो यह उसकी जीत है।
- मनुष्य नश्वर है। उसी तरह विचार भी नश्वर हैं।
  एक विचार को प्रचारप्रसार की ज़रूरत होती है-, जैसे कि एक पौधे को पानी की।
  नहीं तो दोनों मुरझाकर मर जाते हैं।

शीर्षकएक छोटी सी : कोशिश

कक्षा – बारहवीं

एक छोटे से गाँव में एक लड़का रहता था, जिसका नाम रोहन **था। रोहन को अपने गाँव की** साफसफाई- **और** हरियाली **बहुत पसंद थी। लेकिन गाँव के लोग कचरा सड़क पर फेंक देते थे और पेड़ों को बिना सोचेसमझे काटते जा रहे थे।-**

एक दिन, रोहन ने सोचा कि उसे कुछ करना चाहिए**। उसने अपने दोस्तों को इकट्ठा किया और उन्हें समझाया कि हमें अपने गाँव को** साफ और हराभरा- **बनाना है। सभी दोस्त तैयार हो गए और उन्होंने मिलकर एक** मुहिम **शुरू की।**

उन्होंने गाँव में कचरा इकट्ठा करने के लिए बड़ेबड़े- बैग **बांटे और लोगों को समझाया कि कचरा कैसे सही तरीके से फेंकना है। उन्होंने** पेड़ लगाने का अभियान **भी शुरू किया और गाँव के लोगों को इसके महत्व के बारे में बताया।**

धीरेधीरे-, गाँव के लोगों ने भी इस मुहिम में साथ देना शुरू कर दिया। गाँव साफ-सुथरा **होने लगा और** पेड़ों की संख्या **भी बढ़ने लगी। रोहन और उसके दोस्तों की** छोटी सी कोशिश **ने गाँव को एक** नया रूप **दे दिया।**

नैतिकता:

इस कहानी से हमें यह सीखने को मिलता है कि अगर हम सब मिलकर छोटीछोटी - कोशिशें करें**, तो हम** बड़ेबड़े बदलाव- **ला सकते हैं।**

हमें अपने आसपास के वातावरण को साफ और स्वस्थ **रखने की ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए और** दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित **करना चाहिए।**

वतन के नाम

कक्षा – 12वीं

चलो फिर से आज वो किस्सा दोहराया जाए,
शहीदों की चिताओं पर दीप जलाया जाए।
जो लड़े थे हँसकर फाँसी के फंदों से,
उनके जज़्बे को दिल में बसाया जाए।

तिरंगे की शान न घटने देंगे,
इस पर कोई आँच न आने देंगे।
लहू देंगे अगर ज़रूरत पड़ी,
पर वतन को झुकने न देंगे।

सरहद की हवा भी अब कुछ कहती है,
हर कतरा वतन का नाम लेती है।
जिस मिट्टी ने हमें पाला है,
उस पर जान क़ुर्बान रहती है।

हम जवान हैं, हम मिट्टी के दीवाने हैं,
भारत माँ के चरणों में हम बलिदानी हैं।
न डरते हैं हम मौत की छाया से,
क्योंकि दिल में तिरंगा बसाया है।

जय हिन्द!वंदे मातरम् !

माँ

अक्षरा

तेरे आँचल की छाँव में
सारा जहाँ सिमट जाता है।
तेरी मुस्कान से जैसे
हर दर्द भी मुस्कुराता है।

तू थकी होती है, फिर भी
मेरे लिए रोटियाँ बेलती है।
मैं रोता हूँ जब भी,
तू खुद से ज़्यादा हिलती है।

तेरी गोद है मंदिर मेरी,
तेरी लोरी भगवान है।
तेरी चुप्पी भी बहुत कुछ कहती है,
तेरा प्यार ही मेरी जान है।

माँ...
तू सिर्फ़ शब्द नहीं,
एक पूरी दुनिया है।
जिसके बिना ये ज़िंदगी
एक अधूरी सी कहानी है।

❀ माँ को समर्पित ❀

अब भय किस बात का

– दिव्यांशी, कक्षा XII

अब भय किस बात का,
जब बग़ीचे में बीज बो दिया हो।
थोड़ी सी मिट्टी, थोड़ा विश्वास,
और सपनों का पानी रोज़ दे दिया हो।

अब क्यों डरूं हार से,
जब मैंने चलना ठान लिया हो।
अंधेरे से क्या शिकवा करें,
जब रोशनी को भीतर पहचान लिया हो।

हर कांटे से रिश्ता जोड़ लिया है,
हर तूफ़ान से सामना कर लिया है।
अब तो पत्तों की सरसराहट भी कहती है,
"तू बढ़ चल, तूने खुद को चुन लिया है।"

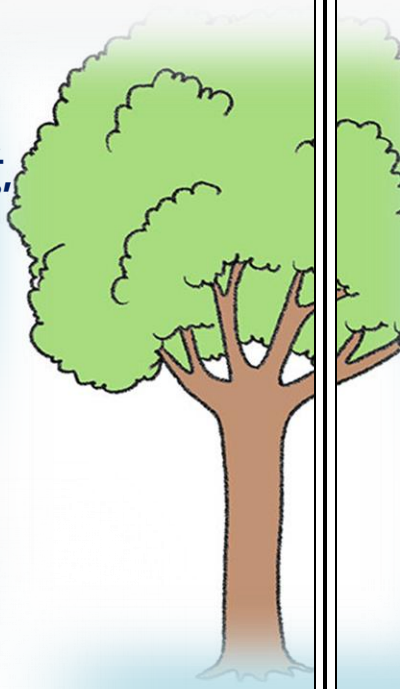
कभी धूप जलाएगी, कभी बारिश बहा ले जाएगी,
पर जो बीज आज बोया है, वो कल छांव देगा।
एक नन्हा प्रयास ही तो था,
जो कल इतिहास बनके दिखेगा।

अब भय किस बात का,
जब दिल में आग, आँखों में सपना हो।
ख़्वाबों की उड़ान भले धीमी हो,
पर पंखों में अब खुद का भरोसा हो।

✨सशक्त आत्मविश्वास की उड़ान को सलाम। ✨

पेड़

– हिमांशु कुमार



धरती की बस यही पुकार,
पेड़ लगाओ बारम्बार।
आओ मिलकर कसम खाएँ,
अपनी धरती हरित बनाएँ।
धरती पर हरियाली हो,
जीवन में खुशहाली हो।
पेड़ धरती की शान है,
जीवन की मुस्कान है।
पेड़पौधों को पानी दे-,
जीवन की यही निशानी दे।
जीवन सुखी बनाए हम,
आओ पेड़ लगाए हम।

हर पेड़ – एक प्राण। पेड़ लगाएँ, जीवन बचाएँ।

शैली के महत्त्व पर लेख

कक्षा – बारहवीं

आजकल की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में स्वस्थ जीवन शैली अपनाना बेहद ज़रूरी **हो गया है।**

एक स्वस्थ जीवन शैली न केवल हमें शारीरिक रूप से स्वस्थ **रखती है, बल्कि** मानसिक संतुलन **बनाए रखने में भी मदद करती है।**

आइए, जानते हैं कि एक स्वस्थ जीवन शैली कैसे अपनाई जा सकती है**:**

✓1. संतुलित आहार:

संतुलित आहार हमारे शरीर को आवश्यक पोषक तत्व **प्रदान करता है।**

हमें अपने भोजन में फल, सब्जियाँ, अनाज, दालें और दूध **जैसे तत्वों को शामिल करना चाहिए।**

✓2. नियमित व्यायाम:

नियमित व्यायाम हमारे शरीर को तंदुरुस्त और सक्रिय **बनाए रखता है।**

हमें प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट तक योग, दौड़ या अन्य शारीरिक गतिविधियाँ **करनी चाहिए।**

✓3. पर्याप्त नींद

पर्याप्त नींद हमारे शरीर और दिमाग को आराम देती है।

एक दिन में कम से कम 7–8 घंटे की नींद **लेनी चाहिए।**

✓4. तनावमुक्त जीवन:

तनाव हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक **होता है।**

हमें ध्यान, मेडिटेशन **और अपनी** रुचियों **को समय देकर तनाव को दूर करने की कोशिश करनी चाहिए।**

✓5. स्वच्छता का ध्यान:

स्वच्छता हमारे स्वास्थ्य का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा **है।**

हमें अपने आसपास की सफ़ाई का ध्यान **रखना चाहिए और नियमित रूप से** हाथ धोने **की आदत अपनानी चाहिए।**

✨निष्कर्ष:

स्वस्थ जीवन शैली हमारे जीवन को सार्थक, सफल और सुखद **बनाती है।**

हमें स्वयं भी इसे अपनाना चाहिए और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए।



माँ

माँ वो धूप है, जो छाँव बन जाती है,
हर दर्द को मुस्कुराकर सहज जाती है।
बचपन में जो लोरी बनकर बहती थी,
आज भी दिल में धीरेधीरे कहती है।-
उसकी ममता का कोई मोल नहीं,
वो तो हर हाल में हमारी ढाल रही।
भूख उसे तब लगती है जब हम खाएँ,
नींद तभी आती है जब हम मुस्काएँ।
ठक्कर जब लौटते हैं दुनिया की भीड़ से,
माँ का चेहरा ही सुकून दे **जाता है धीरे से।**
वो डाँट में भी दुआ छुपा देती है,
और ग़लती पर भी प्यार लुटा देती है।
माँ सिर्फ़ एक नाम नहीं, एक भावना है,
जिसमें खुदा की सबसे खूबसूरत कल्पना है।❤ माँ — हर दिल की धड़कन, हर आत्मा की शांति। ❤



धरती की व्यथा

लेखिकाहितांशी :
कक्षासातवीं :
विद्यालयअल्हीलाल .वी .के :
बढ़ता प्रदूषण, एक बड़ी समस्या,
वायु प्रदूषित, जल प्रदूषित, धरा प्रदूषित।
प्रदूषण के कारण, जीवन हुआ अशांत,
हमारे भविष्य के लिए, एक बड़ा खतरा
बन गया यह अनजान।
वृक्षों की कटाई, प्रदूषण का कारण,
वायु प्रदूषित, शुद्ध हवा की है अब कमी।
जल प्रदूषित, जलीय जीवन पर असर,
प्रदूषण के कारण, जीवन हुआ असुरक्षित
और डर से भर गया घर।

आओ हम सब मिलकर, प्रदूषण को रोकें,
वृक्ष लगाएँ, और पर्यावरण को संजीवनी दें।
स्वच्छता रखें, प्रदूषण से मु क्ति पाएं,
एक स्वच्छ और स्वस्थ भविष्य की ओर बढ़ें।

“प्रदूषण हटाएँ – धरती बचाएँ!”



स्वामी विवेकानंद जी के अनमोल विचार

संकलन :सौम्या चौधरी

1. **संगति का प्रभाव**

संगति **आपको ऊँचा उठा भी सकती है**
और आपकी ऊँचाई से गिरा **भी सकती है।**
इसलिए संगति हमेशा अच्छे लोगों **से करें।**

2. आत्मशिक्षा का महत्व

तुम्हें कोई **पढ़ा नहीं सकता**, कोई **आध्यात्मिक** नहीं बना सकता।
तुम्हें सब कुछ खुद **अपने अंदर** से सीखना है।
आत्मा से अच्छा कोई शिक्षक नहीं है।

3. लक्ष्य के प्रति अडिग रहो

"उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।"

4. आशा की शक्ति

सब कुछ खोने से ज्यादा बुरा है — उस उम्मीद **को खो देना,**
जिसके भरोसे हम सब कुछ वापस **पा सकते हैं।**

5. सत्य का सफर

पहले हर अच्छी बात **का** मज़ाक **बनाया जाता है,**
फिर उसका विरोध **होता है,**
और अंत में उसे स्वीकार **कर लिया जाता है।**

6. एक व्यक्ति, एक परिवर्तन

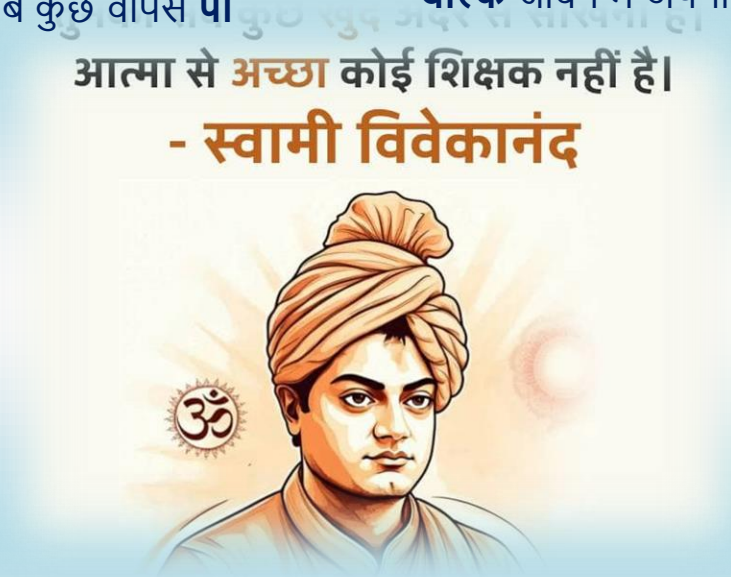
जिस प्रकार केवल एक ही बीज, **पूरे** जंगल **को पुनर्जीवित कर सकता है,**
उसी प्रकार एक ही मनुष्य **विश्व में** बदलाव **लाने के लिए पर्याप्त है।**
वह मनुष्य आप भी हो सकते हैं।

7. स्वीकृति और प्रेम

बहुत सी कमियों **के बाद भी यदि हम** खुद से प्रेम **कर सकते हैं,**
तो हम दूसरों में एक कमी **देखकर उनसे** घृणा **कैसे कर सकते हैं?**

निष्कर्ष:

स्वामी विवेकानंद जी के विचार हमें आत्मबल, आत्मविकास और सामाजिक upliftment की ओर प्रेरित करते हैं।
हमें इन विचारों को केवल पढ़ना नहीं, बल्कि जीवन में अपनाना **चाहिए।**



पहेलियाँ — पत्रिका विशेष

“ज्ञान और मनोरंजन का संगम हर पन्ने पर कुछ नया!”

प्रश्न:



1. राम अगर सीता है तो राम क्या है?
2. वह क्या चीज़ है जो बढ़ती जाती है लेकिन घटती नहीं है?
3. लाल घोड़ा रुका है, काला घोड़ा भागता जाए — बताओ कौन?
4. काला घोड़ा सफेद की सवारी, एक उतरा तो दूसरे की बारी।
5. हिले न जुले पर दिनरात चले।-
6. एक अजब किला बनाया, न मिट्टी न चूना लगाया।
7. मैं मरूँ, मैं कटूँ—तुम्हें क्यों आँसू आए?
8. छोटासा बंदर-, उछलता पानी के अंदर।
9. हरी डिब्बी, पीला मकान—अंदर बैठे कालू राम।
10. कान पकड़कर नाक दबाऊँ, तुम सबको राह दिखाऊँ।
11. बिना पैर तैरता जाए, पंख हैं तो उड़ न पाए।
12. ऐसा कोई नाम बताओ जिसमें फलमिठाई पाओ।-फूल-
13. एक लाठी की सुनो कहानी, छुपा है जिसमें मीठा पानी।

अजब गजब दुनिया

ज्ञान की दुनिया के अद्भुत तथ्य

- ✓ 🐙 ऑक्टोपस के **तीन दिल** होते हैं और उनके **नाखून नीले** होते हैं।
- ✓ 🍯 **शहद कभी खराब नहीं होता** — हजारों साल पुराना शहद भी खाया जा सकता है।
- ✓ 🍌 **केले बेरी** होते हैं, लेकिन **स्ट्रॉबेरी बेरी नहीं** होती।
- ✓ 👅 इंसान की जीभ पर करीब **8,000 स्वाद कलिकाएँ** होती हैं।
- ✓ 💧 पानी एक साथ **उबल भी सकता है और जम भी सकता है** — इसे "ट्रिपल पॉइंट" कहते हैं।
- ✓ 🐄 गाय के भी सबसे अच्छे **दोस्त होते हैं**, और अलग होने पर वे तनाव में आ जाती हैं।

- ✓ समुद्री घोड़े का बच्चा **नर जन्म देता है** — यह प्रकृति में बहुत ही दुर्लभ है।
- ✓ ⚡ बिजली का तापमान **सूरज की सतह से भी ज्यादा** होता है — करीब 30,000°C।
- ✓ ❄ अंटार्कटिका में कोई **साँप या छिपकली नहीं पाई जाती**।
- ✓ पेंगुइन अपने साथी को **कंकड़ देकर प्रपोज़ करते हैं**।
- ✓ इंसान का नाक **50,000 से ज्यादा तरह की खुशबू** पहचान सकता है।
- ✓ शतरंज में संभावित चालें **ब्रह्मांड में तारों से भी ज्यादा** हैं।
- ✓ गोल्डफिश **महीनों तक याद रख सकती है**, केवल 3 सेकंड नहीं।
- ✓ स्लॉथ सप्ताह में **सिर्फ एक बार टॉयलेट जाता है**।
- ✓ ❤ आपका दिल एक दिन में लगभग **1,00,000 बार धड़कता है**।
- ✓ पानी पीते समय हम खुद को **लार से भी हाइड्रेट करते हैं**।
- ✓ व्हेल का दिल इतना बड़ा हो ता है कि **एक इंसान उसकी धमनियों में तैर सकता है**।
- ✓ ❄ 🔥 गर्म पानी ठंडे से **जल्दी जम सकता है** — इसे Mpemba effect कहते हैं।
- ✓ तितली अपने **पैरों से स्वाद चखती है**।
- ✓ मकड़ी का जाल **स्टील से भी ज्यादा मजबूत** हो सकता है।
- ✓ ◯ चाँद पर चंद्र ग्रहण के दौरान **तापमान में भारी बदलाव** आता है।
- ✓ चींटियाँ **सोती नहीं हैं**, लेकिन आराम के छोटेछोटे ब्रेक लेती हैं।-
- ✓ ज्वालामुखी के लावे का तापमान **1,200°C तक** हो सकता है।
- ✓ मगरमच्छ अपनी **जीभ बाहर नहीं निकाल सकते**।
- ✓ पुस्तकालय की सबसे पुरानी किताब **1,200 साल से भी अधिक पुरानी** है।
- ✓ ♪ संगीत सुनने से पौधों की **वृद्धि तेज़ हो सकती है**।
- ✓ मुर्गे सूरज की रोशनी से **पहले ही बांग देने लगते हैं**।
- ✓ अंतरिक्ष में कोई **ध्वनि नहीं सुनाई देती** क्योंकि वहां हवा नहीं होती।
- ✓ मधुमक्खियाँ **इंसानों के चेहरों को पहचान सकती हैं**।
- ✓ चॉकलेट का इस्तेमाल **एक समय में मुद्रा के रूप में** किया जाता था।



हिन्दी दिवस एवं राजभाषा तथ्य

हिन्दी दिवस और राजभाषा

- हिन्दी दिवस मनाया जाता है — **14 सितंबर**
- हिन्दी को राजभाषा घोषित किया गया — **अनुच्छेद 343**
- हिन्दी भाषा को राजभाषा दर्जा मिला — **14 सितंबर 1949**
- संविधान की किस अनुसूची में हिन्दी को राजभाषा घोषित किया गया — **आठवीं अनुसूची**
- प्रथम संसदीय राजभाषा समिति के अध्यक्ष — **जीपंत .बी.**
- 'हिन्दी' शब्द किस भाषा का है — **फारसी**

अंग्रेज़ी शब्दों के हिन्दी रूप

- Physics Lab — **भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला**
- Chemistry Lab — **रसायन विज्ञान प्रयोगशाला**
- Bio Lab — **जीव विज्ञान प्रयोगशाला**
- Computer Lab — **संगणक प्रयोगशाला**

भाषा संशोधन तथ्य

- सिंधी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने वाला संशोधन — **21वाँ संशोधन**
- कोंकणी, मणिपुरी, नेपाली भाषाओं को शामिल करने वाला संशोधन — **71वाँ संशोधन**
- बोडो, डोंगरी, मैथिली, संथाली भाषाओं को शामिल करने वाला संशोधन — **92वाँ संशोधन**

आयोग एवं अधिनियम

- प्रथम राजभाषा आयोग की स्थापना — **1955**
- अब तक आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलन — **3**
- राजभाषा अधिनियम 1963 के अनुसार कार्य हिंदी में शुरू होने की अवधि — **15 वर्ष**
- 1967 के राजभाषा अधिनियम के अनुसार अहिंदी भाषी राज्यों की सहमति आवश्यक।
- राजभाषा अधिनियम 1976 के अनुसार भारत को बांटा गया — **3 भागों में**
- त्रिभाषा सूत्र कार्यक्रम का वर्ष — **1968**

साहित्यिक तथ्य

- हिंदी की पहली रचना जिसे ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला — चिदम्बरा (सुमित्रानंदन पंत), 1968
- कवियों का कवि — शमशेर सिंह बहादुर
- 'गोदान' के लेखक — मुंशी प्रेमचंद
- 'रामायण' के लेखक — महर्षि वाल्मीकि
- 'कैदी और कोकिला' के लेखक — माखनलाल चतुर्वेदी
- आत्मकथा कविता के कवि — जयशंकर प्रसाद

- ‘कुरुक्षेत्र’ के लेखक — रामधारी सिंह दिनकर
- कविता के गांधी — **भवानी प्रसाद मिश्र**

रसों के स्थायी भाव

- हास्य रस — हँसी
- भयानक रस — भय
- वीर रस — उत्साह
- रौद्र रस — क्रोध

लोकोक्तियाँ पूरी करें

- बकरे की माँ कब तक — **खैर मनाएगी**
- मनचंगा तो — **कठौती में गंगा**
- तन पर नहीं लत्ता — **खाए अलबत्ता पान**
- मान न मान — **मैं तेरे मेहमान**





English

The Road Not Taken

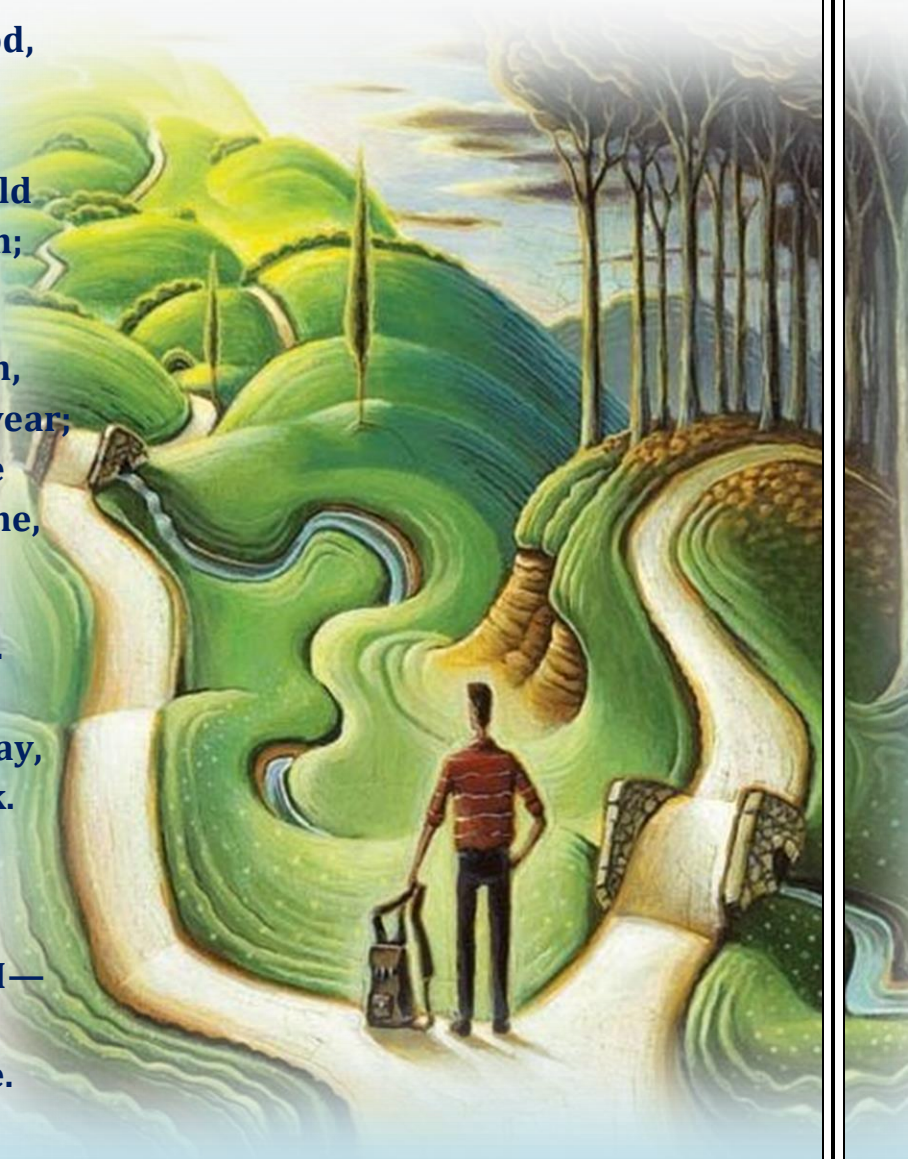
By Robert Frost

Two roads diverged in a yellow wood,
And sorry I could not travel both
And be one traveller, long I stood
And looked down one as far as I could
To where it bent in the undergrowth;

Then took the other, as just as fair,
And having perhaps the better claim,
Because it was grassy and wanted wear;
Though as for that the passing there
Had worn them really about the same,

And both that morning equally lay
In leaves no step had trodden black.
Oh, I kept the first for another day!
Yet knowing how way leads on to way,
I doubted if I should ever come back.

I shall be telling this with a sigh
Somewhere ages and ages hence:
Two roads diverged in a wood, and I—
I took the one less travelled by,
And that has made all the difference.



Reflection (By Nihar):
This poem inspires me to make my own choices in life, even if they are different from others. It tells me that the path we choose shapes our future. Sometimes, taking the less common way may be difficult, but it can lead to unique and rewarding experiences.

Pretty Mama

By Navya
Class 10

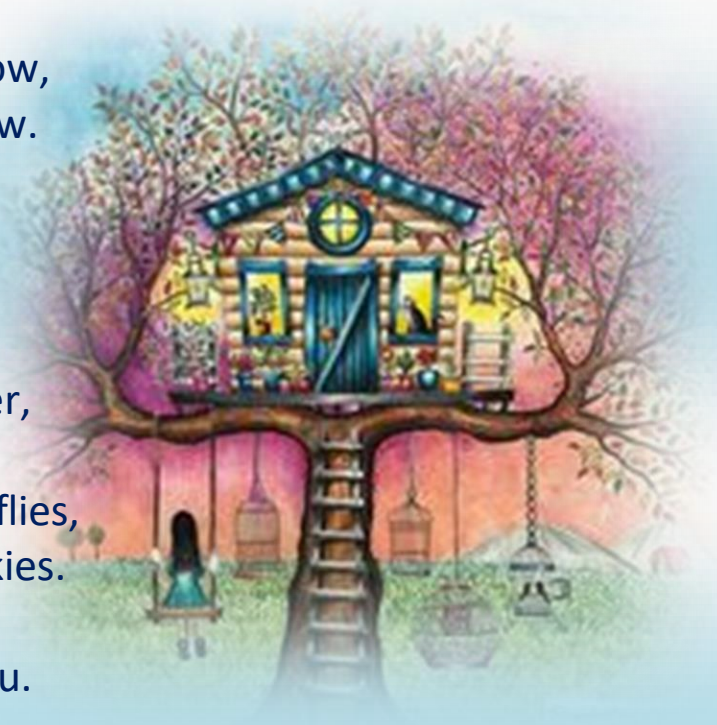


There once was a lady
As pretty as could be,
By looking at her picture,
She could have been on TV.
With curly chestnut hair
And lovely brown eyes,
It took only a glance
For her to brighten your skies.
Not only was she pretty,
But she had brains too, you see—
Else how did she manage
Raising three kids, plus me!!
But there is another side
To her sweet pretty face,
Have I told you about
Her shyness and grace??
Yes, she is beauty
All through and through,
Not an ounce of malice
Within her heart grew.
And I am so proud when I
Look in the mirror,
To get a little glimpse
Of her living inward.
Thank you, Lord,
For making her all mine,
My sweet, Pretty Mama
I will cherish for all time.

💭 **Reflection (By Navya):**
This poem is my heartfelt tribute to my mother, who inspires me every day with her love, grace, and strength. She is my role model and my greatest blessing, and I hope that through these lines, I can share a glimpse of her beautiful soul with everyone.

The Secret Garden

Ojas Dutta
Class VI, KV Alhilal Cantt



A hidden place where whispers grow,
And golden sunlight weaves its glow.
The petals blush in morning dew,
Each one a gem of emerald new.
A robin sings, its voice so clear,
Its song a treasure for all to hear.
The grass sways soft in gentle cheer,
A magic land both far and near.
Here dreams take flight like butterflies,
They dance beneath the endless skies.
The garden holds a secret true,
It blooms with hope for me and you.

💭 **Reflection (By Ojas):**

This poem describes a magical garden where beauty, peace, and hope come together. I wrote it to capture the joy of nature and the feeling that such places give us — a safe space where dreams can grow freely.

The Art of Doing Nothing

By-Aradhna,X

In today's busy world, we are always doing something — studying, using our phones, playing games, or going to classes. But have you ever tried doing… nothing?

Doing nothing doesn't mean being lazy. It means giving your mind and body a break. It means sitting quietly, without checking your phone, watching TV, or even thinking too much Just relaxing. Sounds easy, right? But it's actually harder than it seems.

Our minds are always active. Even when we are resting, we often think about what we need to do next. But when we learn to slow down and do nothing for a few minutes, amazing things can happen. We feel calmer. We get new ideas. Our stress goes down. And we start to enjoy the little things around us — the sound of birds, the feel of the breeze, or even just our own breath.

Many great thinkers and artists have said their best ideas came when they were doing nothing — just sitting quietly.

So, the next time you feel tired or stressed, try it. Sit still. Breathe. Look around. Don't scroll, don't plan. Just be.

Doing nothing is not a waste of time. It's a way to rest, recharge, and feel more alive.





Hope

By Ansh Dogra,
Class X

"Hope" is the thing with feathers
That perches in the soul,
And sings the tune without the words,
And never stops at all.
And sweetest in the gale is heard;
And sore must be the storm
That could abash the little bird
That kept so many warm.
I've heard it in the chilliest land
And on the strangest sea;
Yet, never, in extremity,
It asked a crumb of me.





Shakuntala Devi – The Human Computer



Shakuntala Devi, fondly remembered as the *"Human Computer,"* was an extraordinary Indian mental calculator, astrologer, and author whose brilliance amazed the world. Born on November 4, 1929, in Bangalore, India, she exhibited exceptional mathematical skills from a nearly age—despite having no formal education.

Her legendary feats included extracting the 23rd root of a 201-digit number in just 50 seconds—faster than a Univac computer—and multiplying two 13-digit numbers in under 30 seconds. These astonishing performances earned her a place in the 1982 *Guinness Book of World Records*.

Devi authored several influential books on mathematics, astrology, and puzzles, including *Figuring: The Joy of Numbers* and *Astrology for You*. She also broke societal barriers by writing *The World of Homosexuals*, the first comprehensive study on homosexuality in India.

Throughout her life, Shakuntala Devi travelled extensively, captivating audiences worldwide with her intellect and charm. She passed away on April 21, 2013, leaving behind an enduring legacy that continues to inspire generations—proving that the human mind, when nurtured, can outshine even the most advanced machines.

– Shivam Thakur





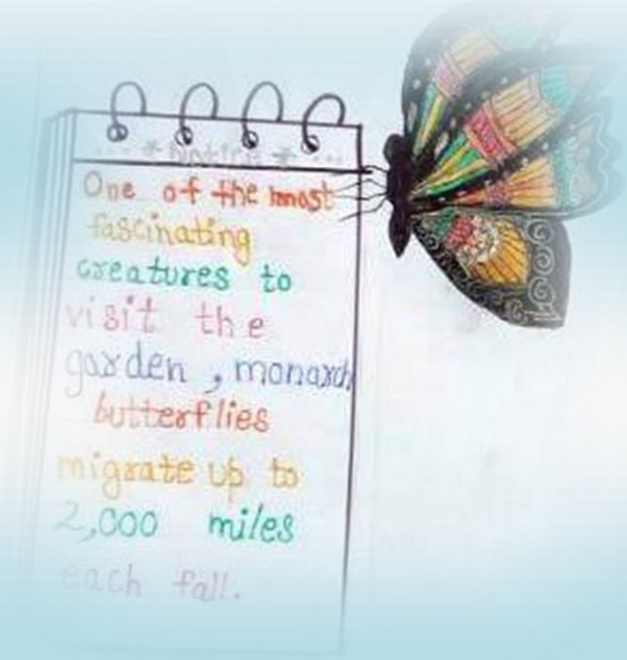
Health is Wealth

Health is wealth is a common sentence that we heard about from our childhood. It means that health is more important than wealth. A healthy body is defined as the over all ability of the body to function well. It includes the physical, mental, emotional and social health of all individuals.

Importance of Health

There are uncountable benefits of having good health . First of all, in the presence of good health, a man enjoy his life more deeply. Good health helps us to protect ourselves from many diseases. Good health alleviates stress and boasts activity that adds more energy to work harder and productively. People often run behind money and ruin their health, than they spend their money to recover health . The biggest advantage of maintaining good health is to live a peaceful and stress free life.

Rhythm
8th class



Say No to Terrorism

Let's Spread Peace, Not Fear!

We've all heard about terrorism, but what does it really mean?
It's when people use violence to scare others and cause harm.
It's like a big cloud of fear that affects everyone.

Why Should We Care?

We all want to feel safe and happy.
Terrorism hurts everyone, no matter who you are or where you're from.

What Can We Do?

Be Kind – Treat others with kindness and respect.
Learn About Each Other – Let's learn about different cultures and religions.
Speak Up – If you see something strange or suspicious, tell a trusted adult.
Support Peace – Join events or activities that promote peace and unity.



Because:

"Peace begins with a smile"
"Kindness matters, spread love"
"United we stand, divided we fall"
"Say No to Terror, Yes to Peace"

We Can Make a Difference!

Let's create a world where everyone feels safe and valued.
We can be the change-makers by spreading peace, kindness, and understanding.

Hitanshi, Class VII

My Favourite Fruit – Mango

By Sanvi Thakur, Class 2

Mango, mango, sweet and bright,
I love to eat them, they're just right!
Yellow and juicy, a yummy treat,
Mangoes are my favourite fruit to eat!
Mangoes grow on trees so tall,
They ripen in summer — best of all!
I eat them fresh, every day,
They're sweet and special in every way!
I like mangoes, oh so sweet,
Sharing with friends is such a treat!
Mangoes are yummy, soft and neat,
I love mangoes — they can't be beat!



Benefits of Exercise and Yoga in Our Daily Life

What is Yoga?

Yoga is an ancient art that connects the **mind** and **body**. It is a form of exercise performed by balancing the elements of our body, helping us to **meditate**, **relax**, and maintain inner peace. Yoga enables us to control our body as well as our mind, acting as a great way to **release stress and anxiety**. Over time, yoga has spread from its place of origin to all corners of the world, uniting people in harmony and peace.

Table of Contents

1. Origin of Yoga
2. Benefits of Yoga
3. FAQs on Yoga

1. Origin of Yoga

Yoga originated in ancient **India** and has been practiced for thousands of years by yogis. The word "Yoga" comes from the **Sanskrit** term meaning **union** and

Discipline.

In earlier times, followers of **Hinduism, Buddhism, and Jainism** practiced yoga regularly. Gradually, it spread to Western countries, gaining worldwide popularity. Today, India is recognized globally as the birthplace of yoga.

Due to its health benefits, workshops and professional classes are held across the world, teaching people the value of this ancient practice.

2. Benefits of Yoga

Yoga offers numerous benefits to both **mind** and **body** when practiced regularly:

- Keeps the mind and body **free from ailments**.
- Strengthens the body through various **asanas** (postures).
- Improves **concentration** and **mental clarity**.
- Enhances **emotional stability** and reduces stress.
- Promotes **self-discipline** and **self-awareness**.
- Improves **flexibility** and physical fitness.
- Encourages **patience** and keeps negative thoughts away.

Special Note:

21st June is celebrated as **International Day of Yoga** to spread awareness about its benefits worldwide.

3. FAQs on Yoga

Q1. Write about the origin of Yoga.

A1. Yoga originated in ancient India and was practiced by yogis thousands of years ago. The

word “Yoga” comes from Sanskrit, meaning union and discipline. In earlier times, it was practiced mainly by followers of Hinduism, Jainism, and Buddhism.

Q2. What are the benefits of Yoga?

A2. Yoga improves both mental and physical health. It enhances flexibility, develops self-discipline, reduces stress, improves mental clarity, and connects us with nature.

N Gokulnath, Class VIII



Artificial Intelligence - Good or Bad for Children

AI offers both benefits and risks for children. On the positive side, AI can personalize learning, automate tasks, and create interactive experiences, potentially improving academic outcomes and engagement. However, there are also concerns about privacy, bias in algorithms, the potential for reliance on AI over human interaction, and the risk of misuse, such as online grooming or exposure to inappropriate content.

A) Potential Benefits:

- **Personalized Learning: AI can adapt to individual learning styles and needs, offering tailored educational content and pace.**
- **Efficiency: AI can automate tasks like grading and generating quizzes, freeing up teachers for more valuable**

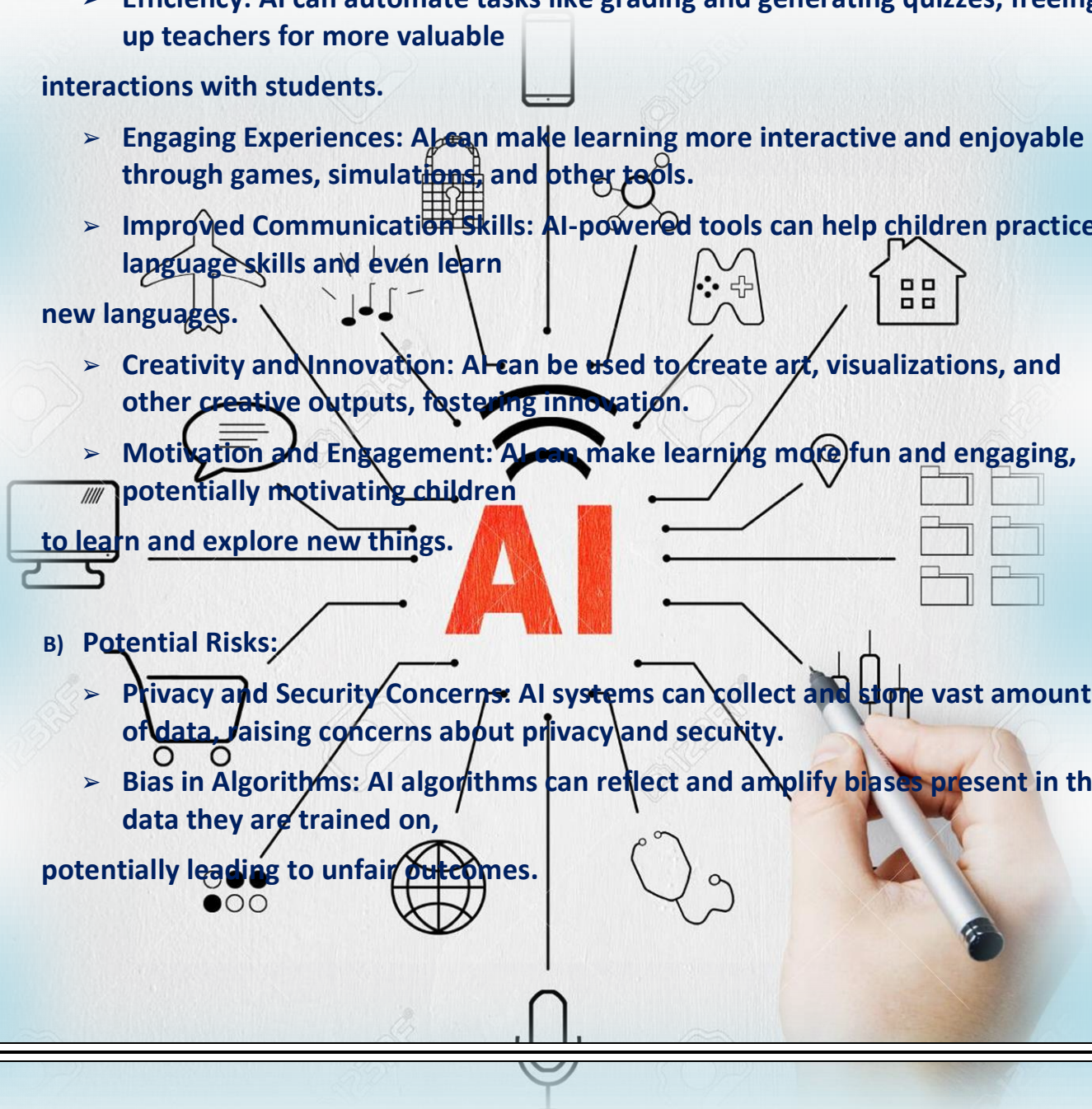
interactions with students.

- **Engaging Experiences: AI can make learning more interactive and enjoyable through games, simulations, and other tools.**
- **Improved Communication Skills: AI-powered tools can help children practice language skills and even learn**

new languages.

- **Creativity and Innovation: AI can be used to create art, visualizations, and other creative outputs, fostering innovation.**
- **Motivation and Engagement: AI can make learning more fun and engaging, potentially motivating children**

to learn and explore new things.



B) Potential Risks:

- **Privacy and Security Concerns: AI systems can collect and store vast amounts of data, raising concerns about privacy and security.**
- **Bias in Algorithms: AI algorithms can reflect and amplify biases present in the data they are trained on,**

potentially leading to unfair outcomes.

- **Over-Reliance on Technology: Excessive reliance on AI could lead to a decline in critical thinking, problem- solving, and social skills.**
- **Inappropriate Content and Grooming: AI-powered platforms could expose children to inappropriate or**

harmful content, or be used by predators for online grooming.

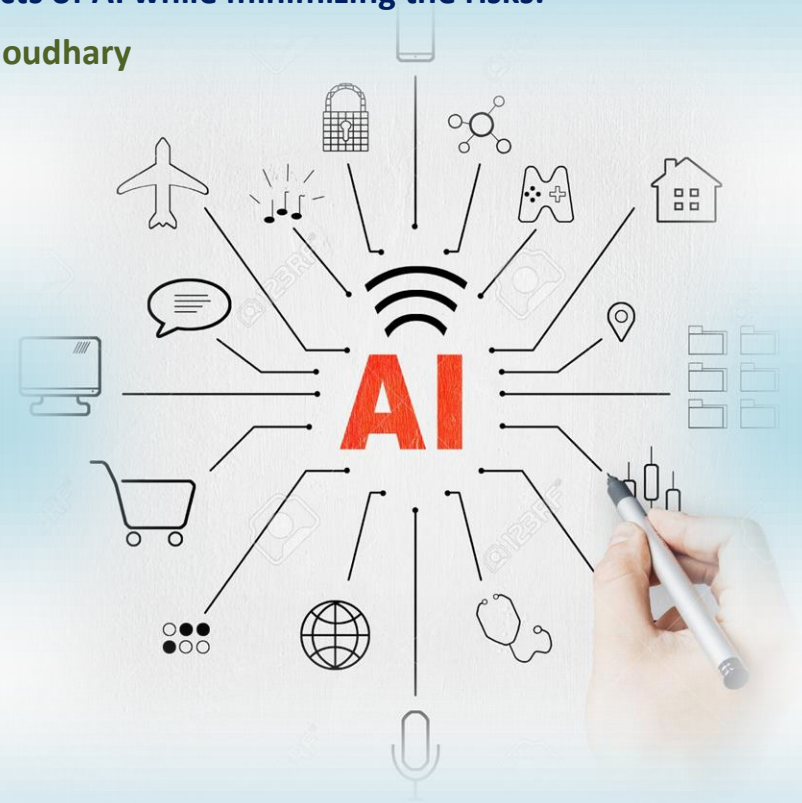
- **Mental Health Impacts: Excessive use of AI-driven platforms could contribute to mental health issues like isolation, addiction, and loneliness.**
- **Misinformation and Disinformation: Children are particularly vulnerable to mis/disinformation, which can**

be amplified by AI.

c)Overall:

- **AI holds great promise for education and child development, but it's crucial to address the potential risks and ensure that AI is used ethically and responsibly. Educators, parents, and policymakers need to work together to create a safe and supportive environment where children can benefit from the positive aspects of AI while minimizing the risks.**

Soumya Choudhary

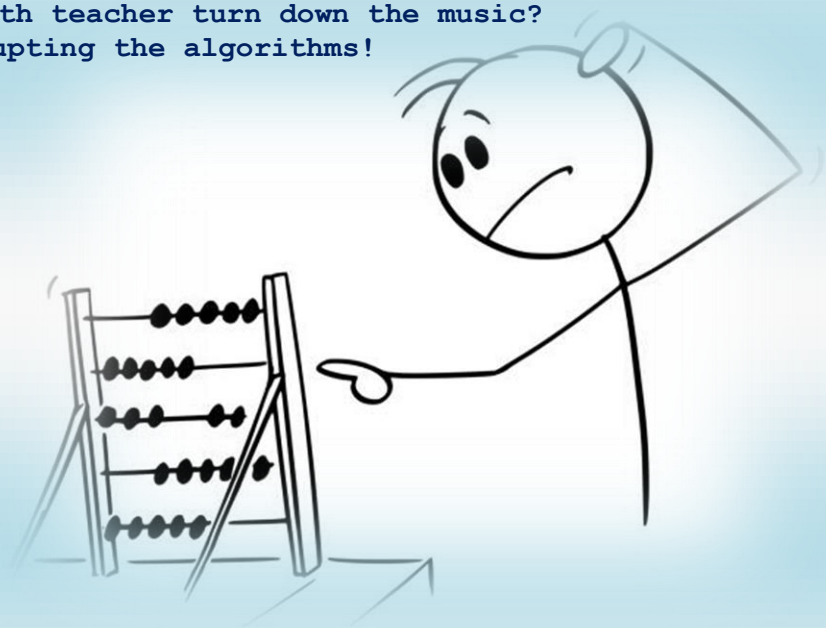


JOKES

(All jokes are just for fun!)

1. Why was the math book sad?
   Because it had too many problems.
2. Why did the student bring a ladder to school?
   He wanted to reach his full potential!
3. Why was the computer cold?
   It left its Windows open!
4. Why did the teacher wear sunglasses?
   Her students were so bright!
5. Why did the student bring a magnet to school?
   He wanted to attract attention!
6. Why did the student bring a compass to school?
   He wanted to navigate his way to better grades!
7. Why did the student wear a watch on both hands?
   He wanted to be on time for both classes!
8. Why did the student bring a plant to school?
   He wanted to get to the root of the problem!
9. Why did the student bring a mirror to school?
   He wanted to reflect on his learning!
10. Why did the math teacher turn down the music?
    Because it was disrupting the algorithms!

– Shivam Thakur




संस्कृत

संस्कृत रत्न — पत्रिका अनुभाग

सूक्तिवाक्यानि (सुभाषितानि)

• सत्यं वद। धर्मं चर। *(सत्य बोलो, धर्म का पालन करो(*

• विद्या ददाति विनयं, विनयाद् याति पात्रताम्। *(विद्या विनम्रता देती है, विनम्रता से पात्रता आती है(*

• माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः। *(पृथ्वी मेरी माता है, मैं उसका पुत्र हूँ(*

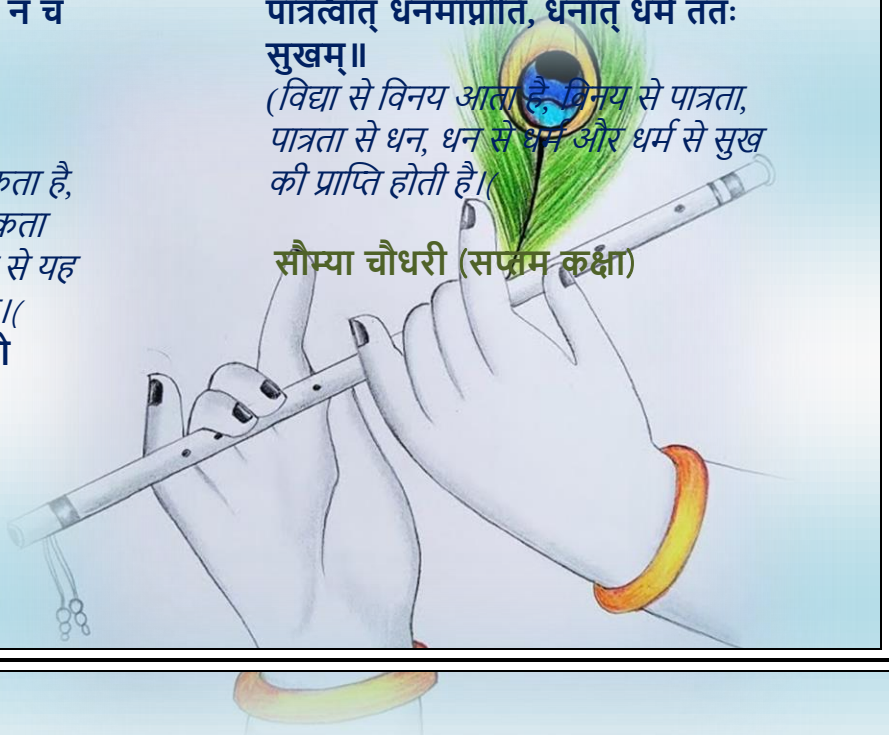
• अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्। *(यह मेरा है, वह पराया — यह छोटी बुद्धि वालों की सोच है(*

• उद्यमेन हि सिद्ध्यन्ति कार्याणि। *(परिश्रम से ही कार्य सिद्ध होते हैं(*

प्रेरणादायक संस्कृत श्लोकाः

1. **उद्यमेन हि सिद्ध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।**
   न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥
   (परिश्रम से ही कार्य सिद्ध होते हैं, केवल इच्छा से नहीं। सोए हुए सिंह के मुख में मृग स्वयं नहीं आते।(
2. **कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।**
   मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥
   (तेरा अधिकार केवल कर्म करने में है, फल में नहीं। फल की अपेक्षा न कर, और न ही अकर्म में आसक्त हो।(
3. **न चौरहार्यं न राजहार्यं न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।**
   व्यये कृते वर्धते एव नित्यं विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्॥
   (विद्या ऐसा धन है जिसे न चोर चुरा सकता है, न राजा छीन सकता है, न भाई बाँट सकता है, न भार उठाना पड़ता है। खर्च करने से यह और बढ़ती है — यह सबसे बड़ा धन है।(
4. **अलसस्य कुतो विद्या, अविद्यस्य कुतो धनम्।**
   अधनस्य कुतो मित्रं, अमित्रस्य कुतः सुखम्॥
   (आलसी को विद्या कैसे मिलेगी? अज्ञानी को धन कैसे मिलेगा? निर्धन का मित्र कौन होगा? और जिसका कोई मित्र नहीं, उसे सुख कैसे मिलेगा?)
5. **येषां न विद्या न तपो न दानं ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।**
   ते मर्त्यलोके भुविभारभूता मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति॥
   (जिनमें न विद्या है, न तप, न दान, न शील, न धर्म — वे पृथ्वी पर भार स्वरूप हैं, और मनुष्य के रूप में पशुओं के समान विचरण करते हैं।(
6. **माता शत्रुः पिता वैरी येन बालो न पाठितः।**
   न शोभते सभामध्ये हंसमध्ये बको यथा॥
   (जिसने अपने बच्चे को शिक्षा नहीं दी, वह मातापिता शत्र-ु के समान हैं। वह बालक सभा में ऐसे ही शोभा नहीं देता जैसे हंसों के बीच बगुला।(
7. **सुखार्थिनः कुतो विद्या? नास्ति विद्यार्थिनः सुखम्।**
   सुखार्थी वा त्यजेद्विद्यां, विद्यार्थी वा त्यजेत्सुखम्॥
   (जो सुख चाहता है, वह विद्या नहीं पा सकता; और जो विद्या चाहता है, उसे सुख त्यागना पड़ता है।(
8. **विद्यां ददाति विनयं, विनयाद् याति पात्रताम्।**
   पात्रत्वात् धनमाप्नोति, धनात् धर्मं ततः सुखम्॥
   (विद्या से विनय आता है, विनय से पात्रता, पात्रता से धन, धन से धर्म और धर्म से सुख की प्राप्ति होती है।(

सौम्या चौधरी (सप्तम कक्षा)



मित्रः चान्द्रोदयः



एकदा नगरस्य पादपशालायाः समीपे द्वौ मित्रौ मिलितवन्तौ — रामः च सीता च।
रामः सीतां प्रति अवदत् —
"मित्रेसायं समये यदि चन्द्रमा उदेति !, तदा आगच्छावः। दुःखानि अपि वदावः।"
सायं ते निर्झरतीरं गतवन्तौ। चन्द्रमा शान्तकिरणैः समभिव्यक्तः अभवत्। ते रममाणौ आसन्।
परं तस्मिन् काले सीता एका दुःखदायिनीं घटनां प्राप।
रामः त्वरया गत्वा तां रक्षाम् अकरोत्। सः साहसिनां कार्यं कृत्वा सीतां त्रातवान्।
उभौ मित्रौ अन्ते हसितेन, सान्त्वेन च, दिनस्य समापनं कृतवन्तौ।

शिक्षा — सच्चः मित्रः आपत्तिकाले एव ज्ञायते।

गौरक्षा परम धर्मः (गाय रक्षा परम धर्म है(

गौः भारतस्य धार्मिके, सामाजिके च जीवनस्य मूलाधारः अस्ति। सा न केवलं दुग्धदात्री, किन्तु माता इव सेविका अपि। तस्याः दुग्धं पोषकं, मूत्रं च गोमयम् औषधरूपेण प्रयुज्यते।
गौरक्षा न केवलं धार्मिकं कर्तव्यं, अपितु पर्यावरणरक्षणस्य मार्गः अपि अस्ति। यः गौः रक्षति, सः आत्मनं, समाजं च रक्षति।
संस्कृत श्लोकाः सूक्तयः /—



1. **गावो विश्वस्य मातरः।**
   (गायें सम्पूर्ण संसार की माताएं हैं।(
2. **धेनुर्वेदा हि मातरः।**
   (वेदों में गायों को माता कहा गया है।(
3. **गौः समृद्ध्यै, गौः शुद्धये, गौः सर्वार्थसाधिका।**
   (गाय समृद्धि, शुद्धि और सभी अर्थों की साधना का साधन है।(
4. **गौः पूज्या, रक्षणीया च।**
   (गाय पूजनीय है और उसकी रक्षा करनी चाहिए।(
5. **गौरक्षणं परमं धर्मम्।**
   (गौरक्षा सर्वोच्च धर्म है।(

सद्विचाराः (अच्छे विचार)

१.
सत्यमेव जयते नानृतम्।
(सत्य की ही विजय होती है, असत्य की नहीं।(

२.

धर्मो रक्षति रक्षितः।
(जो धर्म की रक्षा करता है, उसकी धर्म रक्षा करता है।(

३.
विद्या ददाति विनयं, विनयाद् याति पात्रताम्।
(विद्या से विनम्रता आती है, विनम्रता से योग्यता प्राप्त होती है।(

४.
कर्मणि एव अधिकारः ते, मा फलेषु कदाचन।
(तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करने में है, फल में नहीं।(

५.
न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रम् इह विद्यते।
(ज्ञान के समान पवित्र कुछ भी नहीं है।(

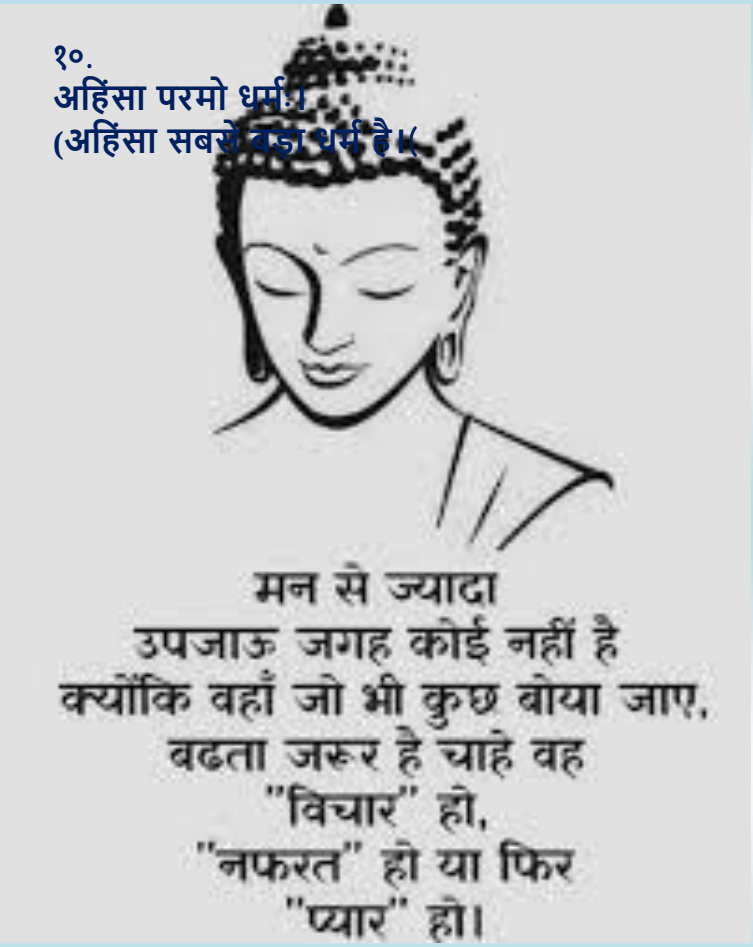
६.
अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।
(यह मेरा है, वह पराया है — ऐसी सोच छोटी बुद्धि वालों की होती है।(

७.
उद्यमेन हि सिद्ध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
(काम केवल कल्पनाओं से नहीं, प्रयास से पूरे होते हैं।(

८.
शुभं करोति कल्याणम्।
(जो कार्य शुभ होता है, वही कल्याण करता है।(

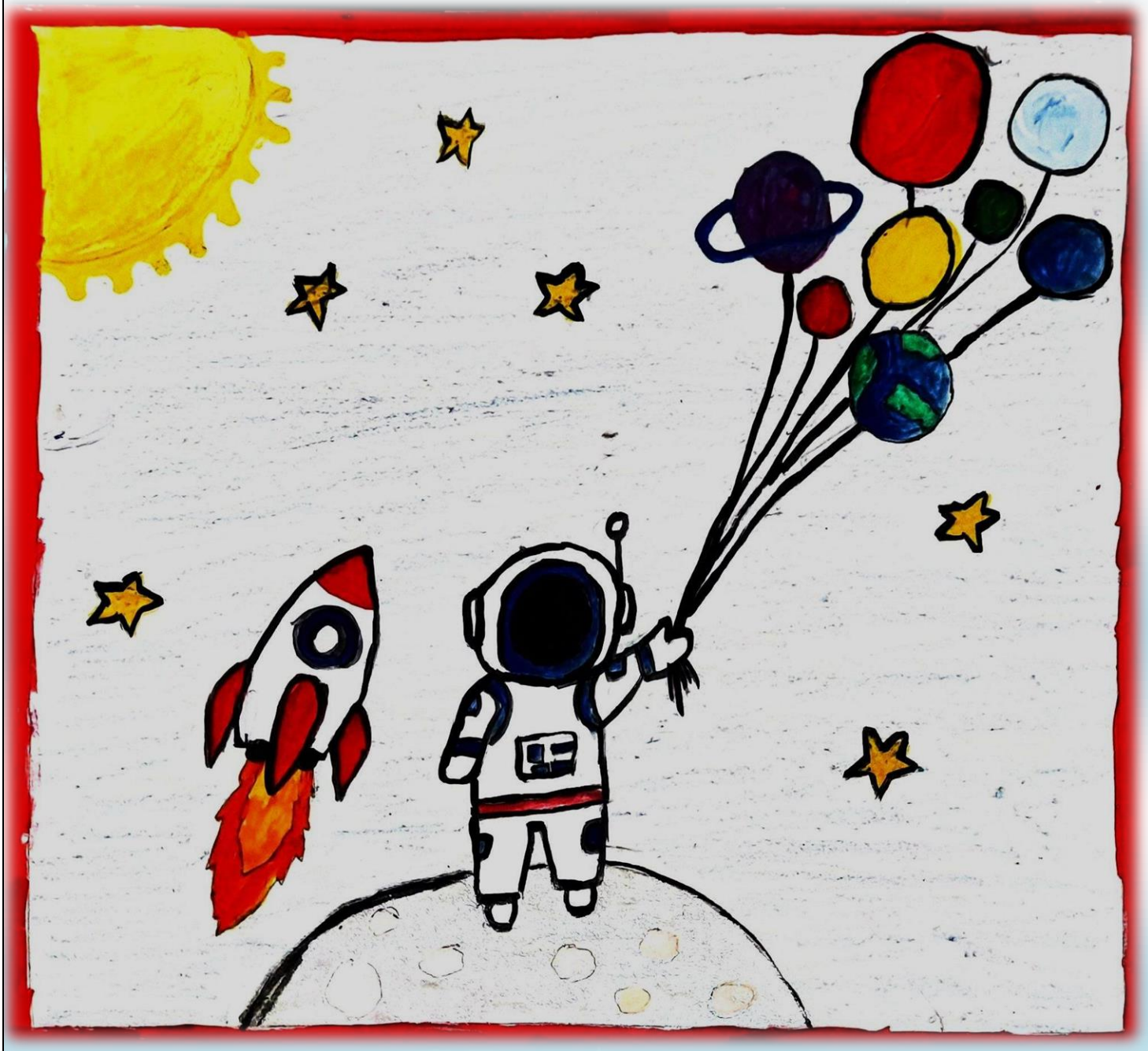
९.
सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः।
(सभी सुखी हों, सभी निरोगी रहें।(

१०.
अहिंसा परमो धर्मः।
(अहिंसा सबसे बड़ा धर्म है।(



"Colours that speak louder than words."





रंगों, रेखाओं और आकृतियों के माध्यम से हमारे विद्यार्थी अपनी कल्पना को साकार करते हैं।
यह गैलरी उनकी रचनात्मकता, सौंदर्यबोध और कलात्मक दृष्टिकोण का जीवंत प्रमाण है।
हर चित्र एक कहानी कहता है—बस देखने वाले की नज़र चाहिए।



ACTIVITES

Contact: [Address, Phone, Email]
Affiliated to CBSE
Address: Alhilal Cantt, Post- Taragarh, Tehsil - Baijnath, Kangra, Himachal Pradesh 176081, India
Call: (01894) 242650
Email: kvalhilal@gmail.com
Website: http://alhilal.kvs.nic.in
Affiliated with: CBSE - Central Board of Secondary Education

